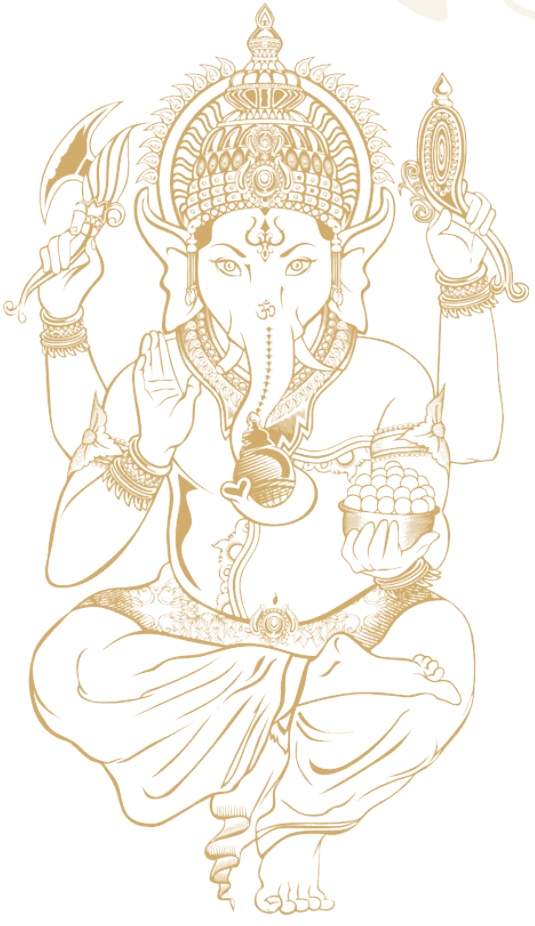

Mr. Mridul bansal

Mis. Navya singla

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120653107

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
12/05/2001	जन्म तिथि	18/11/2000
शनिवार	दिन	शनिवार
घंटे 07:22:00	जन्म समय	16:32:00 घंटे
घटी 04:33:48	जन्म समय(घटी)	24:23:41 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:32:28	सूर्योदय	06:46:31
19:02:55	सूर्यास्त	17:26:08
23:52:16	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:52

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शुक्र 8वर्ष 8मा 21दि		25:35:56	वृष	लग्न	मेष	17:40:20	केतु 6वर्ष 10मा 26दि	
चन्द्र		27:32:21	मेष	सूर्य	वृश्चि	02:32:50	शुक्र	
02/02/2016		20:50:57	धनु	चंद्र	सिंह	00:10:37	16/10/2007	
01/02/2026		05:10:38	धनु व	मंगल	कन्या	14:57:40	16/10/2027	
चन्द्र	02/12/2016	16:30:58	वृष	बुध	तुला	13:44:50	शुक्र	15/02/2011
मंगल	03/07/2017	22:01:31	वृष	गुरु व	वृष	13:35:14	सूर्य	15/02/2012
राहु	02/01/2019	15:25:04	मीन	शुक्र	धनु	12:33:48	चन्द्र	16/10/2013
गुरु	03/05/2020	08:45:16	वृष	शनि व	वृष	03:42:48	मंगल	16/12/2014
शनि	02/12/2021	13:17:34	मिथु	राहु	मिथु	22:56:23	राहु	15/12/2017
बुध	04/05/2023	13:17:34	धनु	केतु	धनु	22:56:23	गुरु	15/08/2020
केतु	03/12/2023	00:50:25	कुंभ	हर्ष	मक	23:15:09	शनि	16/10/2023
शुक्र	02/08/2025	14:54:21	मक व	नेप	मक	10:14:45	बुध	16/08/2026
सूर्य	01/02/2026	20:39:36	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	18:15:09	केतु	16/10/2027

लग्न-चलित

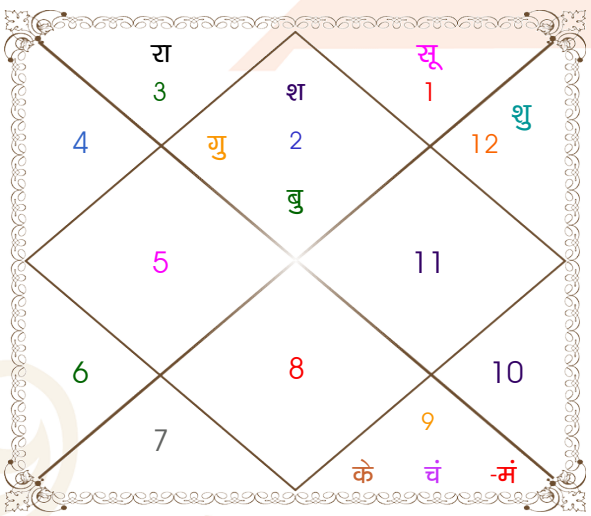

लग्न-चलित

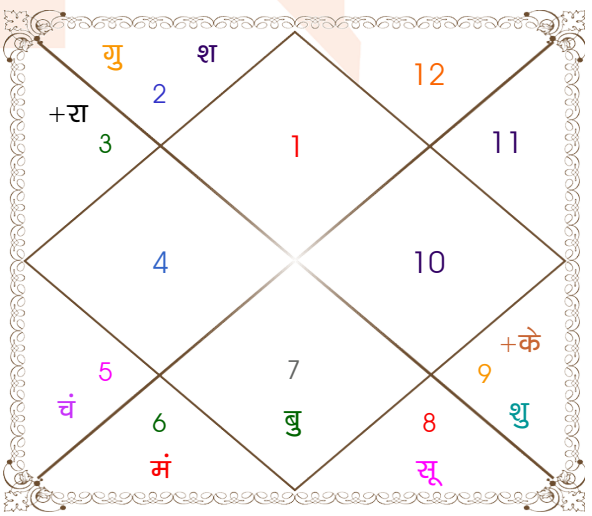

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	वनचर	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	वानर	मूषक	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	सूर्य	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	धनु	सिंह	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	19.00		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

डतण् डतपकनस इंदेंस का वर्ग मूषक है तथा डपेण् छंअलं पदहसं का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण् डतपकनस इंदेंस और डपेण् छंअलं पदहसं का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण् डतपकनस इंदेंस मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र डतण् डतपकनस इंदेंस कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

डपेण् छंअलं पदहसं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु डपेण छंअलं पदहसं कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतण डतपकनस इंदेंस तथा डपेण छंअलं पदहसं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।